Agriculture Land Damaged Due to Water Logging

***1395. Smt. Geeta Bhukkal, M.L.A.:** Will the Agriculture and Farmers Welfare Minister be pleased to state-

a) whether it is a fact that more than 550 acres of agriculture land in village Goria, Khanpur Khurd and Lilodh has been damaged due to leakage of water tanks of NTPC Thermal Plant; if so, the action taken by the Government in the abovesaid matter; and

b) whether it is also a fact that the thousand acres of Agriculture land in village Nivada, Redhuwas, Kondrawali, Mundahera, Chadhwana, Bilochpura etc. has been damaged due to water logging of Bhindawas lake/Pakshi Vihar; if so, the action taken by the Government to safe guard the livelihood of residents of abovesaid villages togetherwith the time by which the abovesaid problem is likely to be solved?

JAI PARKASH DALAL, MINISTER OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE DEPARTMENT, HARYANA

a) & b) Sir, a Statement is placed on the table of the house.

Statement referred to the reply of starred Assembly Question No. *1395 regarding Agriculture Land Damaged Due to Water Logging.

a) Presently, there is no water leakage from the water tanks of NTPC in the villages Goria, Khanpur Khurd and Lilodh. During the year 2012, leakage of water from the water tanks of NTPC was observed. A comprehensive and integrated seepage water re-circulation system project was implemented in June, 2016 for permanent solution. NTPC has approached Panchayati raj for installation of ten deep borewell pumps for lowering the water table of that area under CSR scheme. However, there is a problem of salinity and water-logging in these villages. An eye-survey of the affected village Goria has been conducted by the Department recently and reclamation work will be done in due course with farmer's participation. The work of the reclamation in village Khanpur Khurd and Lilodh will be taken up in Phase-II.

b) The area of the villages is affected with the waterlogging due to seepage from Bhindawas lake. The area is somewhat low lying. The problem becomes severe during the rainy season. An eye-survey of the affected villages Nivada, Kondrawali, Mundahera, Bilochpura, Chadhwana has also been conducted by the Department and reclamation work will be done in due course. The work of the reclamation in village Redhuwas will be taken up in Phase-II.

सेम के रिसाव के कारण क्षतिग्रस्त कृषि भूमि

***1395. श्रीमती गीता भुक्कल, एम.एल.ए.: क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कृपया बताएंगे कि :–**

(क) क्या यह तथ्य है कि एन टी पी सी थर्मल प्लांट की पानी की टेंकियों के रिसाव के कारण गांव गोरिया, खानपुर खुर्द तथा लिलोढ में 550 एकड़ से ज्यादा कृषि भूमि क्षतिग्रस्त हो गई है; यदि हां, तो उपरोक्त मामले में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है; तथा

(ख) क्या यह भी तथ्य है कि भिंडावास झील/पक्षी विहार की सेम की समस्या के कारण गांव निवादा, रेढुवास, कोंदारावाली, मुण्डाहेड़ा, चढवाना, बिलोचपुरा इत्यादि में हजारों एकड़ कृषि भूमि खराब हो गई है; यदि हां, तो उपरोक्त गांव के निवासियों के सुरक्षित जीवन यापन के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए तथा उपरोक्त समस्या का समाधान कब तक किए जाने की संभवना है?

जय प्रकाश दलाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री

(क) तथा (ख)श्रीमान जी, सूचना सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

जल–भराव के कारण क्षतिग्रस्त हुई कृषि भूमि के सम्बन्ध में तारांकित विधानसभा प्रश्न संख्या *1395 के उतर के सन्दर्भ में वक्तव्य।

क) वर्तमान में गोरिया, खानपुर खुर्द और लिलोढ गांवों में एनटीपीसी की पानी की टंकियों से पानी का रिसाव नहीं हो रहा है। वर्ष 2012 के दौरान एनटीपीसी की पानी की टंकियों से पानी का रिसाव देखा गया था। स्थायी समाधान के लिए जून, 2016 में एक व्यापक और एकीकृत सीपेज वाटर री–सर्कुलेशन सिस्टम परियोजना लागू की गई थी। एनटीपीसी ने सीएसआर योजना के तहत उस क्षेत्र के जल स्तर को कम करने के लिए 10 गहरे बोरवेल पम्प लगाने के लिए पंचायती राज विभाग से सम्पर्क किया है। हालांकि इन गांवों में खारापन और जल–भराव की समस्या बनी हुई है। विभाग द्वारा हाल ही में प्रभावित गांव गोरिया का आई–सर्वेक्षण करवाया है और किसानों की भागीदारी से जल्द ही सुधार कार्य किया जाएगा। द्वितीय चरण में गांव खानपुर खुर्द एवं लिलोढ में सुधार कार्य किया जाएगा।

ख) भिंडावास झील से पानी रिसने के कारण गांवों का क्षेत्र जल–भराव से प्रभावित है।यह इलाका कुछ नीचा भी है। बरसात के दिनों में समस्या विक्राल हो जाती है। विभाग द्वारा प्रभावित गांवों निवादा, कोंदारावाली, मुण्डाहेड़ा, चढवाना, बिलोचपुरा का भी आई–सर्वेक्षण किया गया है और सुधार कार्य समय अवधि में कर लिया जाएगा। गांव रेढुवास में सुधार कार्य द्वितीय चरण में किया जाएगा।